प्रश्न पत्र – MJY-E 304 अर्जिताधिभार 06-05

एम0ए0 तृतीय–सत्र

(वैकल्पिक–1)

श्रौतयाग(1) 70+30=100 पूर्णांक

SHRAUTAYAGA-1

प्रश्न पत्र निर्माण का प्रारूप

प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित होगा।

प्रथम खण्ड लघु उत्तरीय, द्वितीय खण्ड – दीर्घोत्तरीय प्रश्न

प्रथम खण्ड (A) – लघु उत्तरीय (Short Answer) – प्रकार के 10 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 05 प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 06 अंक का होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में देना होगा। 6x5=30 अंक

द्वितीय खण्ड (B)–दीर्घ उत्तरीय (Long Answer) – प्रकार के 08 प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें 04 प्रश्नों के उत्तर विस्तार से देने होंगे। प्रत्येक प्रश्न 10 अंक का होगा। प्रश्नों के उत्तर विस्तृत रूप में देना होगा। 10x4=40 अंक

प्रस्तावित पाठ्यक्रम
खण्ड – 1 सोमयाग परिचय **खण्ड – 2 अग्निष्टोम** **खण्ड – 3 ज्योतिष्टोम** **टिप्पणी – उक्त यागों के स्वरूप, भेद, विधि, महत्त्व एवं आध्यात्मिक, आधिदैविक तथा आधिभौतिक प्रतीकार्थो की जानकारी छात्रों से अपेक्षित है।**

सन्दर्भग्रन्थ :

1. आश्वलायन श्रौतसूत्र, अध्याय 9, आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पुणे
2. आश्वलायन श्रौतसूत्र, अध्याय 11, आनन्दाश्रम मुद्रणालय, पुणे
3. वैतान श्रौतसूत्र, विश्वेश्वरानन्द वैदिक शोध संस्थान, होशियारपुर
4. वाराह श्रौतसूत्र, डॉ0 विलैम कैलेंड, मेहरचन्द लक्ष्मणदास, दिल्ली